कुल प्रश्नों की संख्या :
Total No. of Questions : 17

पृष्ठों की कुल संख्या :
Total No. of Pages : 15

समय : 3 घंटे
Time : 3 Hours

पूर्णांक :
Full Marks : 100

उत्तीर्णांक :
Pass Marks : 30

सामान्य निर्देश
GENERAL INSTRUCTIONS

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें ।

   Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं ।

   Figures in the margin indicate full marks.

3. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

   All questions are compulsory.

4. प्रश्नों के उत्तर प्रश्नों के साथ दिये गये निर्देशों के आलोक में ही लिखें ।

   Answers of the questions must be in the context of the instructions given therein.

5. प्रश्न संख्या 1, 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 13 लघु उत्तरीय हैं जिनके उत्तर प्रत्येक एक शब्द या एक वाक्य में दें । प्रश्न संख्या 5, 10, 11, 12, 14 एवं 16 दीर्घ उत्तरीय हैं जिनके प्रत्येक उत्तर 50 से 100 शब्दों में दें । प्रश्न संख्या 17 के उत्तर 200 शब्दों में दें ।

   Question Nos. 1, 2, 3, 4, 6, 7, 8, 9, 13 are short answer type to be answered in one word or one sentence each. Question Nos. 5, 10, 11, 12, 14 and 16 are long answer type to be answered in 50 to 100 words each. Question No. 17 is to be answered in about 200 words.

प्रश्न 1. 'लहरा' शीर्षक रचना कोन कवि कर हेके ? 5

प्रश्न 2. कवि अब्बास अली रणकेशर कर कोन रचना पाठ्य-पुस्तक में संकलित आहे ? 5

प्रश्न 3. 'दया करू रघुवीर' शीर्षक भक्ति गीत में कोन प्रभु कर अराधना करल जाय हे ? 5

प्रश्न 4. पठित 'महुवा' शीर्षक रचना में कवि हमरे के का संदेश देक चाहेला ? 5

प्रश्न 5. हेंठे देल पद्यांश कर सप्रसंग व्याख्या करू : 5

दुनियाँ बिसम मेला
रंग-रंग लागल खेला
जिनगी कर मोल देके
किनी ना तबाही रे
मुंड ना निहारी कभी
सत के सियाही रे ।

प्रश्न 6. रउर पाठ्य-पुस्तक में शकुन्तला मिश्र कर कोन कहनी संकलित आहे ? 5

प्रश्न 7. 'पोलटिस' शीर्षक रचना कोन विधा (बरन) में आहे ? 5

प्रश्न 8. पठित पाठ्य कर आधार पर ठाकुर विश्वनाथ शाही कर सबसे बड़ बिसेसता रउर अनुसार का आहे ? 5

प्रश्न 9. नागपुरी लोकगीतमन में कृष्ण कर कोन रूप कर बरनन बगरा मिलेला ? 5

प्रश्न 10. हेंठे देल गद्यांश कर सप्रसंग व्याख्या करू : 5

भला आब उकर ले का कुटुम आबँय गो । कय घर आय रहँय, सेके तो निहीं कइह देलक । आगे पाछे के देखबे नि छललक ।

प्रश्न 11. पुरुषवाचक सर्वनाम कर परिभाषा देऊ । 4

प्रश्न 12. संख्यावाचक विशेषण कर परिभाषा आउर उदाहरन देऊ । 4

प्रश्न 13. भाववाचक संज्ञा कर एकठो उदाहरन देऊ । 2

प्रश्न 14. रउर गाँव में सामुदायिक भवन बनुवाएक वास्ते संबंधित अधिकारी के आवेदन पत्र लिखू । 10

प्रश्न 15. हेंठे देल गद्यांश कर संक्षेपण करू : 8

गाँव घर में आदिवासी आउर सदानमनक सद्‌भाव, प्रेम आउर सहजोग देइख के हमरे के ई बात कर पक्का बिसुवास रहे आउर एखनो आहे कि आदिवासी आउर सदान कर पारस्परिक संबंध बहुत पुरना आउर स्थायी आहे । दूइयो कर रहन-सहन, खान-पान, रीति-रेवाज, परब-तिहार, भासा-साहित, नाच-गान, खेइल-कूद सउब में सामंजस्य कर झलमल छवि सफा दीसेला । मगर ई एहसास के प्रमानिक ढंग से इतिहास कर आलोक में वैज्ञानिक रूप से प्रस्तुत करेक काम निश्चित रूप से बड़ा कठिन रहे । ई कठिन काम के झारखण्ड कर आम अदमी आउर सुधी चिंतकमन ले आसान कइर हँय 'झारखण्ड के सदान' किताब कर माध्यम से ।

प्रश्न 16. हेंठे देल गद्यांश के बेस से पढ़ू आउर पूछल सवाल कर जबाब देऊ : 10

नागपुरी संस्कृति में सउब से जबर परब हेके फगुआ । नागपुरी जन-जीवन इकर रंग में सउब से बेसी रंगाल आहे । समाज कर कोनो इसन भाग नखे जे इकर रस में मातल नखे । छोट-बड़, अमीर-गरीब, ऊँच-नीच, किसान-मजदूर, कमिया-धमिया सउब कर सउब फगुआ कर रस में, खुसी में उमताय जायना । फगुआ जे प्रेम कर अनइत रूप के सामने लेके आवेला जनमानस में गोटेक नावाँ-रीझ रंग कर संगे-संग नावाँ जीवन उत्साह के संचार कइर जाएला ।

सवाल — फगुआ का लखे हमारे कर जिनगी में उमंग कर संचार करेला ?

प्रश्न 17. हेंठे देल में से कोनो **एक** विषय पर निबंध लिखू : 12

(क) दसहरा परब

(ख) राउर पसिंद कर साहितकार

(ग) टेलीविजन

(घ) मातृभासा में शिक्षा कर महातम

(ङ) विज्ञान कर चमत्कार ।